message the next day, or two days after that and I pointed out that after 1st March, the prices have now started going down. (*Interruptions*) Please listen to me. Why don't you listen to me ? In the reply, I have also mentioned that we are examining the whole question. But we have not taken a final decision. We have just given permission for the use of mustard oil, and we are examining what effect it will have on the prices. We are examining the whole thing. As for the millowners' association, I have written to the Minister that part of the rapeseed for crushing, as it was being made available to them before, will be made available to them, and we are keen that they should not get unemployed. We have sent reply to them to day received from the Minister.

WRITTEN ANSWER TO QUESTION

पैट्रोलियम के विपणन के लिये भारतीय तेल निगम के नाम से एक अलग संस्था बनाने की आवश्यकता

*381. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पैट्रोलियम के विपणन के लिये भारतीय तेल निगम के नाम से एक अलग संस्था बनाई है ; और

(ख) यदि हां, तो पैट्रोलियम के विपणन को तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग के नियंत्रण में न रखने के क्या कारण हैं जैसा कि तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग अधिनियम, 1959, (1959 के अधिनियम 43) में उल्लेख किया गया है ?

पैट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री डी० के० बरुआ) : (क) और (ख). इण्डियन आयल कम्पनी जो इण्डियन आयल कारपोरेशन के गठन के लिए, इण्डियन रिफाइनरीज लि० के साथ बाद में मिला दी गई थी, 30-6-59 को स्थापित हुई थी और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग अधिनियम, 1959, 18 सितम्बर, 1959 को लागू हुआ था । अतः सरकार ने शुरू-शुरू में निर्णय लिया था कि तेल उत्पादकों के विपणन (मार्किटिंग) एक अलग संगठन द्वारा किया जाना चाहिए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को प्रारम्भ में कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस की खोज तथा उत्पादन के लिए विशेष ध्यान देना चाहिए ।

पैडा आयुतापल्ले (दक्षिण-मध्य रेलवे) में एक रेलवे पुल को उड़ाने का प्रयत्न किया जाना

*382. **श्री चन्नू लाल चन्नाकर** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पृथक आंध्र की मांग करने वाले आन्दोलनकर्ताओं ने पैडा अयुतापल्ले (दक्षिण-मध्य रेलवे) में एक रेलवे पुल को उड़ाने का प्रयत्न किया था;

(ख) क्या वहां कुछ माल गाड़ियों पर भी पथराव किया गया था जिससे रेल कर्मचारियों को चोटें आईं; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) जी हां, रिपोर्ट मिली है कि 25-2-73 को अलग आन्ध्र राज्य की मांग करने वाले कुछ व्यक्तियों ने गन्नवरम और पैद-अयुतपल्लि के बीच पुल नं० 18 के नीचे भारी विस्फोटक रख दिये थे और उसे उड़ाने का प्रयास किया था । विस्फोट से पुल के दो स्लीपर पूरी तरह उड़ गये और चिनाई के काम को कुछ नुकसान पहुंचा ।

(ख) 29-1-73 को पैद-अयुतपल्लि और तेलप्रोलु के बीच बिना चौकीदार वाले एक समपार फाटक पर आन्दोलनकारियों ने माल गाड़ी नं० डब्ल्यू ई एस-31 पर पथराव किया लेकिन कोई घायल नहीं हुआ ।